

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पन्तनगर, जिला— ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

फसलों में खरपतवार प्रबन्धन पर प्रशिक्षण

पन्तनगर। 5 मार्च 2025। विश्वविद्यालय द्वारा हल्द्वचौड़ ग्राम-जग्गी बांगर में 'किसानों को खरपतवार प्रबन्धन' पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें खरपतवार प्रबन्धन परियोजना परियोजनाधिकारी डा. एस.पी. सिंह एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डा. तेज प्रताप ने विभिन्न फसलों में खरपतवार प्रबंधन पर किसानों के साथ चर्चा की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण का संचालन डा. एस.पी. सिंह ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम जग्गी बांगर के बीडीसी श्री विनोद कुमार उपस्थित थे। डा. तेज प्रताप ने खरीफ फसलों में खरपतवार की समस्या की तरफ किसान भाइयों का ध्यान आकर्षित करते हुये बताया कि अगर किसान भाई अपने खेतों में खरपतवार उगते हुये नहीं देखना चाहते है तो उन्हें प्रक्षेत्र को लगातार 10 दिनों तक पानी भर के रखना चाहिए तथा लगातार लम्बे समय तक एक ही शाकनाशी प्रयोग नहीं करना चाहिए। डा. एस.पी. सिंह ने सुझाव दिया कि शाकनाशी के प्रयोग की सबसे उचित समय तब होता है, जब खरपतवार 2-4 पत्ती अवस्था में हो। सभी प्रकार के खरपतवारों अब बाजार ने शाकनाशियों के नये-नये उत्पाद आ गये है, जिनके अब सभी प्रकार के खरपतवारों का नियन्त्रण किया जा सकता है। प्रायः यह देखा जाता है कि किसान भाई स्प्रे के लिए घोल बनाते समय अतिरिक्त मात्रा कम पानी का प्रयोग करते है, जिससे खरपतवारों का ठीक से नियन्त्रण नहीं होता है। परियोजना अधिकारी डा. एस. पी. सिंह ने आगामी जायद एवं खरीफ की फसलों में खरपतवारों से हाने वाले नुकसान तथा नियन्त्रण की अनेक विधियों की विस्तार से चर्चा की तथा शाकनाशी प्रयोग की तकनीकियों के बारे में चर्चा करते हुये बताया कि खरपतवार नाशियों के छिड़काव के लिए हमेशा फ्लैट फेन कट नॉजल का प्रायोग उचित होता है। डा. एस.पी. सिंह ने मक्का, सोयाबीन, मूँग, उड़द, मक्का एवं धान में किन खरपतवार नाशियों का प्रयोग कितनी मात्रा में और कब प्रयोग करें बारे में किसानों को विस्तार पूर्वक बताया। डा. सिंह ने किसानों को सही मात्रा में शाकनाशियों का सही तरीके से घोल बनाने तथा बुम नोजलका प्रयोग करने पर जोर दिया। प्रशिक्षण में लगभग 100 पुरुष एवं महिला कृषक उपस्थित थे परियोजना की तरफ से सभी किसान भाई-बहनों की विभिन्न जायद एवं खरीफ फसलों में प्रयोग होने वाले नये शाकनाशियों का वितरण किया गया। प्रशिक्षण परियोजना के वरिष्ठ शोधार्थी विशाल विक्रम सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, राजीव एवं कृषक श्री प्रकाश जोशी, नवीन दुमका, अनिल, दिनेश सिंह, शिशुपाल सिंह एवं अन्य किसान भी उपस्थित थे। सभी किसान भाईयों बहनों ने अपनी समस्याओं को वैज्ञानिकों के समक्ष रखा और उसके समाधान के विषय में जानकारी ली।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषकों को जानकारी देते अधिकारी।